राजस्थान में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए निर्धारित लक्ष्य

2803. **श्री मूलचन्द मीणा**: क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान राजस्थान में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या है तथा लक्ष्यों को किस सीमा तक प्राप्त किया गया;

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है, और

(ग) राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लागू न किये जाने के सिलसिले में कितनी शिकायतें मिली हैं; और सरकार ने इन पर क्या कार्यवाही की है?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री जी॰ वेंकट स्वामी): (क) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम 1989-90 से समाप्त कर दिया गया था और उसका जवाहर रोजगार योजना में विलय कर दिया गया था। 1990-91 और 1991-92 के दौरान राजस्थान में जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत सृजित किए जाने वाले रोजगार के श्रम दिनों के रूप में निर्धारित लक्ष्य और सृजित किए गए वास्तविक श्रम दिन नीचे दर्शाए गए हैं:—

वर्ष	रोजगार का लक्ष्य (श्रम दिन लाख में)	सृजित रोजगार (श्रम दिन लाख में)
1990-91	392.43	506.01
1991-92	242.64	387.63

(ख) केन्द्र सरकार और राज्य सरकार दोनों जवाहर रोजगार योजना के कार्यान्वयन की समय-समय पर समीक्षा करती हैं, उपचारात्मक उपाय किए जाते हैं और योजना के अन्तर्गत रोजगार सृजन के लक्ष्य की समय से प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाते हैं।

(ग) केन्द्र सरकार को राजस्थान में जवाहर रोजगार योजना का क्रियान्वयन न किए जाने के बारे में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

Construction of Streets and sewage system in Haryana

2804. SHRI RAMJI LAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether rural latrines, streets etc. are being constructed through the Jawahar Rozgar Yojana in Haryana;

(b) if so, the number of villages yet to be provided with these facilities out of the big villages of Haryana?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) Yes, Sir. During the period 1989-90 to 1991-92 in Haryana under Jawahar Rozgar Yojana (JRY) an amount of Rs. 2648.12 lakhs was spent on construction of rural roads and sanitary latrines.

(b) and (c) Primary objective of the JRY is to generate additional gainful employment in rural areas. Items of work to be taken up under JRY are decided by the implementing agencies namely DRDAs/Village Panchayats on the basis of the available resources and felt needs of the people. Hence no targets are fixed for provision of rural latrines and roads under JRY.

Centre of Science for Villages

2805. SHRI SHANTI TYAGI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Centre of Science for villages in Wardha is engaged in research, development and extension in rural technology;

(b) if so, the details thereof and whether there are more Wardha like centres in the country;

(c) whether the Wardha Centre is planning to start short-duration courses in rural technologies for young volunteers associated with voluntary agencies engaged in rural development all over the country; and